Series HRS/2

कोड नं. **3/2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

www.usefuldesk.com

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

www.usefuldesk.com

खण्ड क

1. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

हमारे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था है । इस व्यवस्था में न कोई छोटा होता है न बड़ा; न कोई अमीर न कोई ग़रीब । देश का संविधान सबके लिए समान है । नागरिक अधिकारों पर सबका समान हक है । लोकतंत्र पारिवारिक-सामाजिक सभी स्तरों पर स्त्री-पुरुष को एक नज़र से देखता है । अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने, अपनी बात बेझिझक कहने का सबको समान अधिकार है ।

आज़ादी मिलने के बाद इस लोकतंत्रात्मक पद्धति के आधार पर हम सभी क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं । नारी जागृति आई है, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति – सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है । ऐसी स्थिति में भी जब हम निराशाजनक बातें करते हैं कि तंत्र ठप्प हो गया है, यह पद्धति असफल हो गई है – यह ठीक नहीं । वास्तव में दोष तंत्र का नहीं – दोष हमारे नज़रिये का है । हमारी अपेक्षाएँ इतनी बढ़ गई हैं जिन्हें संतुष्ट करने के लिए एक क्या अनेक तंत्र असफल हो जाएँगे । हमारा देश विशाल आबादी वाला एक विशाल देश है । इसे चलाने वाला तंत्र भी उतना ही विशाल और समर्थ चाहिए और जैसा कि नाम से स्पष्ट है लोकतंत्र में हम ही तंत्र हैं ! जब हर नागरिक इतना शिक्षित हो जाए कि अपने देश, समाज, परिवार, घर, व्यक्ति सबके प्रति निष्ठा से अपना दायित्व निभाता रहे तब लोकतंत्र की सफलता सामने आएगी । ज़रूरी है कि हमारी सोच सकारात्मक हो । हम सोचें कि इतनी उदारता, इतनी ग्रहणशीलता और किसी तंत्र में नहीं है जितनी लोकतंत्र में है, मानवता का इतना संतुलित सर्वांगीण विकास किसी और तंत्र में हो भी नहीं सकता ।

(i) भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की उल्लेखनीय विशेषता है

(क) अधिकारों और अवसरों की समानता

(ख) शासन और संसद में नारी जागृति

(ग) सभी स्तरों पर धनिकता की श्रेष्ठता

(घ) कर्तव्यपालन के प्रति नागरिकों में जागरूकता का भाव

(ii) देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को असफल कहना अनुचित है क्योंकि

(क) देश के सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है

(ख) समाज का निम्न वर्ग आगे बढ़ रहा है

(ग) कृषि क्षेत्र में आशातीत उन्नति हुई है

(घ) वैज्ञानिक अनुसंधान की दिशा में प्रगति हुई है

www.usefuldesk.com

(iii) गद्यांश के अनुसार लोकतंत्र की सफलता आधारित है

(क) सामाजिक और आर्थिक समानता पर

(ख) देश के प्रति दायित्व-निर्वाह पर

(ग) नागरिकों की सकारात्मक सोच पर

(घ) विशाल देश की विशाल आबादी पर

(iv) लोकतंत्र के संदर्भ में सकारात्मक सोच का आशय है

(क) लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमियाँ ढूँढना

(ख) लोकतंत्र के प्रति निंदाभरा दृष्टिकोण रखना

(ग) लोकतंत्र के श्रेष्ठ पहलुओं को सराहना और स्वीकारना

(घ) लोकतंत्र की पद्धति को मज़बूत बनाना

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(क) भारत और लोकतंत्र

(ख) लोकतंत्र के आलोचक

(ग) लोकतंत्र की सफलता के आधार तत्त्व

(घ) लोकतंत्र की विशेषताएँ

www.usefuldesk.com

2. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

ग़रीबी, जाति और धर्म की सीमाओं को भेद जाती है । भारत की जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा ग़रीब है या ग़रीबी के आसपास है । इसलिए देश के प्रशासकों ने इस समस्या के समाधान के लिए आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय को राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया है । इससे समाज में आर्थिक विषमता घटेगी । हमारे संविधान की प्रस्तावना में भी गणतंत्र के विशेषणों में 'समाजवादी' शब्द सम्मिलित है । इसके फलस्वरूप भारतीय समाज के कमजोर वर्गों को आर्थिक आधार पर विशेष सलूक पाने का अधिकार प्राप्त हो जाता है । कृषि-मज़दूरों, छोटे किसानों, देहाती-शहरी ग़रीबों के लिए योजनाबद्ध विकास के कार्यक्रम तैयार किए गए हैं । ये कार्यक्रम जाति के आधार पर नहीं, समानता-असमानता के आधार पर हैं ।

www.usefuldesk.com

सभी प्रकार के पिछड़ेपन को, भले ही वह आर्थिक हो या सामाजिक या सांस्कृतिक, दूर करना निश्चित रूप से न्यायपूर्ण एवं स्वीकार करने योग्य लक्ष्य है । आर्थिक पिछड़ेपन ने सामाजिक असमानता के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है । इस समस्या का उपचार करने के लिए सरकार ने एक रणनीति अपनाई – कानून बनाने के रूप में । जिसका उल्लंघन करने वालों को सजा का प्रावधान है ।

एक उदाहरण लें – 'अस्पृश्यता अपराध कानून' के अन्तर्गत अस्पृश्यता को दंडनीय अपराध माना गया और इसके परिणामस्वरूप देश से अस्पृश्यता प्रायः समाप्त हो गई है । इतना अवश्य है कि इस दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना है ।

(i) 'ग़रीबी, जाति और धर्म की सीमाओं को भेद जाती है ।' कथन का आशय है कि निर्धनता

(क) विशिष्ट धर्मानुयायिओं या जातियों में ही नहीं पाई जाती ।

(ख) सभी जातियों और धर्मावलम्बियों को समान रूप से प्रभावित करती है ।

(ग) धनहीनता जाति या धर्म से परे होती है ।

(घ) जाति की उच्चता और धर्म की श्रेष्ठता को दूर रखती है ।

(ii) देश के आर्थिक विकास से बढ़ेगी

(क) सामाजिक समता

(ख) समाजवादी विचारधारा

(ग) आगे बढ़ने की इच्छा

(घ) देश में शान्ति और स्थिरता की कामना

(iii) संविधान में 'समाजवादी' विशेषण से लाभान्वित होगा

(क) देश का अशिक्षित वर्ग

(ख) देश का कमज़ोर वर्ग

(ग) देश का शिक्षित वर्ग

(घ) देश का सम्पन्न वर्ग

(iv) आर्थिक पिछड़ापन कारण है

(क) अच्छी रणनीति न बना पाने का

(ख) देश के पिछड़ेपन का

(ग) सामाजिक विषमता का

(घ) सामाजिक सहयोग

www.usefuldesk.com

(v) 'निर्धन' का समानार्थक ***नहीं*** है

(क) अकिंचन

(ख) रंक

(ग) कंगाल

(घ) निर्मम

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

जैसे धधके आग ग्रीष्म के लाल पलाशों के फूलों में,
वैसे आग जगाओ मन में, वैसी आग जगाओ रे ।

जीवन की धरती तो रूखी मटमैली ही होती है,
तन-तरु-मूल सिंचाई, अतल की गहराई में होती हैं ।
किन्तु कोपलों जैसे ज्वाला में भी शीश उठाओ रे,
ऐसी आग जगाओ मन में, ऐसी आग जगाओ रे ।

एक आग होती है मन को जो कि राह दिखलाती है,
सघन अँधेरे में मशाल बन दिशि का बोध कराती है;
किन्तु द्वेष की चिनगारी से मत घर-द्वार जलाओ रे,
ऐसी आग जगाओ मन में, ऐसी आग जगाओ रे ।

आज ग्रीष्म की ऊष्मा कल को रिमझिम राग सुनाएगी,
तापमयी दोपहरी, सन्ध्या को बयार ले आएगी;
रसघन आँगन में हिलकोरे, ऐसा ताप रचाओ रे;
ऐसी आग जगाओ मन में, ऐसी आग जगाओ रे ।

www.usefuldesk.com

(i) कवि किनको कैसी आग जगाने के लिए संबोधित कर रहा है ?

(क) देश के युवकों को क्रान्ति की

(ख) नवयुवकों में हिम्मत-हौसले की

(ग) देश के कर्णधारों में जोश-खरोश की

(घ) युवा समूह में असंतोष की

(ii) कोंपलें हमें क्या प्रेरणा देती हैं ?

(क) तेज धूप में भी सिर ऊँचा रखो

(ख) कठिन परिस्थितियों में भी स्वाभिमान बनाए रखो

(ग) शत्रु के सामने कभी सिर न झुकाओ

(घ) रूखी मटमैली धरती पर खिलते रहो

(iii) कवि ऐसी मशाल जलाने पर बल देता है जो

(क) समाज में परिवर्तन लाए

(ख) भटके हुए लोगों का मार्ग निर्देशन करे

(ग) मार्ग को प्रकाशित करे

(घ) आपसी द्वेष से छुटकारा प्रदान करे

(iv) 'तापमयी दोपहरी, सन्ध्या को बयार ले आएगी' का आशय है

(क) दोपहर की तपन शीतल बयार लाती है

(ख) दुख के क्षण सुख का कारण बनते हैं

(ग) अन्धेरा उजाले को जन्म देता है

(घ) काँटों के मध्य ही फूल खिलता है

(v) 'तन-तरु' में अलंकार है

(क) उपमा

(ख) रूपक

(ग) यमक

(घ) उत्प्रेक्षा

www.usefuldesk.com

www.usefuldesk.com

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

कैसे बेमौके पर तुमने ये
मज़हब के शोले सुलगाए ।
मानव-मंगल-अभियानों में
जब नया कल्प आरम्भ हुआ
जब चंद्रलोक की यात्रा के
सपने सच होने को आए ।

तुम राग अलापो मज़हब का
पैग़म्बर को बदनाम करो,
नापाक हरकतों में अपनी
रूहों को कत्लेआम करो !
हम प्रजातंत्र में मनुष्यता के
मंगल-कलश संवार रहे
हर जाति-धर्म के लिए
खुला आकाश-प्रकाश पसार रहे ।
उत्सर्ग हमारा आज
हिमालय की चोटी छू आया है ।
सदियों की कालिख को
हमने बलिदानों से धोना है
मानवता की खुशहाली की
हरियाली फसलें बोना है ।
बढ़-बढ़कर बातें करने की
बलिदानी रटते बान नहीं
इतना तो तुम भी समझ गए
यह कल का हिन्दुस्तान नहीं ।

www.usefuldesk.com

(i) 'मज़हब के शोले' का तात्पर्य है

(क) विभिन्न धर्मों से सम्बन्धित बातें

(ख) धर्म पर आधारित नफ़रत की बातें

(ग) धर्म का उपदेश देने वाली बातें

(घ) धार्मिक विषयों पर विवादास्पद बातें

(ii) मज़हब के शोले सुलगाने का यह मौका नहीं है क्योंकि

(क) आधुनिक युग में ये बातें शोभाकर नहीं हैं

(ख) चन्द्रलोक की यात्रा की तुलना में ये बातें हीन लगती हैं

(ग) प्रगतिशील दृष्टिकोण ऐसी बातों को बेतुकी मानता है

(घ) आज का इन्सान ऐसी बातों में आस्था नहीं रखता

(iii) 'मज़हब का राग' अप्रासंगिक है क्योंकि प्रजातंत्र

(क) मज़हबी राग में विश्वास नहीं रखता

(ख) जाति और धर्म को मानवता का हितकारी समझता है

(ग) समाज को संकुचित दृष्टिकोण से नहीं देखता

(घ) खुले आकाश के सामने देखता है

(iv) 'हरियाली फसलें बोना है' कथन का आशय है

(क) मानवता को बढ़ावा देना

(ख) देश को फलता-फूलता देखना

(ग) सामाजिक भेद-भाव मिटाना

(घ) सांप्रदायिकता का विरोध करना

(v) 'बढ़-बढ़कर बातें करने की, बलिदानी रटते बान नहीं ।' में अलंकार है

(क) यमक

(ख) अनुप्रास

(ग) उपमा

(घ) रूपक

www.usefuldesk.com

खण्ड ख

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : *1×4=4*

(क) मैं कभी-कभी मन्दिर जाता हूँ ।

(ख) अनेक भिखारी वहाँ बैठे थे ।

(ग) शाबाश ! तुमने अच्छा किया ।

(घ) दुष्ट व्यक्ति को दूर ही रखो ।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) उन्होंने मूर्ति को देखा और रुक गए । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) जो छात्र प्रश्न पूछता है उसका ज्ञान बढ़ता है । (सरल वाक्य में रूपान्तरण कीजिए)

(ग) न ही वह मेरे घर आता है और न ही मैं उसके घर जाता हूँ । (वाक्य-भेद बताइए)

(घ) उसने आश्वासन दिया कि वह भविष्य में यह गलती नहीं दोहराएगा ।
(किस प्रकार का वाक्य है ?)

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) चलो, अब खेलते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)

(ख) रामपाल ने बड़े दुखी मन से अपना अपराध स्वीकार किया । (कर्मवाच्य बनाइए)

(ग) समर्थकों द्वारा पुष्पवर्षा की गई । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) उसने भगत को दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था । (कर्मवाच्य में बदलिए)

www.usefuldesk.com

8. निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों का नामोल्लेख कीजिए : *1×4=4*

(क) मैया ! मैं तो चन्द्रखिलौना लैहों ।

(ख) मन की मन ही माँझ रही ।

(ग) 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी ।

(घ) नेह सरसावन में मेह बरसावन में ।
सावन में झूलिबो सुहावनो लगत है ।

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) वह तुम्हें उपहार देगा – रेखांकित का पद-परिचय दीजिए ।

(ख) जैसे ही ट्रेन रुकी वह सामान उठाकर चला गया । (संयुक्त वाक्य बनाइए)

(ग) वह रो भी नहीं सकता । (भाव-वाच्य बनाइए)

(घ) 'अभी सोई है मेरी मौन व्यथा' – काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए ।

खण्ड ग

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

हमारी समझ में मानव संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है; वह भी संस्कृति है जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है, वह भी; और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है; वह भी संस्कृति है ।

और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम । हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने-पहनने के तरीके, हमारे गमनागमन के साधन; हमारे परस्पर मर-कटने के तरीके; सब हमारी सभ्यता है । मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती

www.usefuldesk.com

www.usefuldesk.com

है; हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्मविनाश में जुटा हुआ है, उसे हम उसकी सभ्यता कहें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(i) मानव की कौन-सी योग्यता संस्कृति की जननी है ?

(क) सुई-धागे की आविष्कारक

(ख) नक्षत्रों की सैर करने वाली

(ग) संहारक अस्त्र-शस्त्रों को बनाने वाली

(घ) मानव की त्यागमयी भावना

(ii) 'सभ्यता' के बारे में कौन-सा कथन सत्य *नहीं* है ?

(क) सभ्यता हमारे रहन-सहन के तौर तरीकों का परिचय देती है

(ख) सभ्यता संस्कृति का परिणाम है

(ग) सभ्यता हमें सम्पन्न बनाती है

(घ) सभ्यता के अंतर्गत हमारे मरने-कटने के तरीके भी आते हैं

(iii) लेखक की दृष्टि में असंस्कृति का स्वरूप है

(क) भौतिक सुख-साधनों का आविष्कार

(ख) मानवता के कल्याण-हेतु आविष्कृत संसाधन

(ग) आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार

(घ) मानव की मूल आवश्यकताओं की पूरक वस्तुएँ

(iv) संस्कृति असभ्यता बन जाती है

(क) हितकारी मानवीय रूप को दिखाकर

(ख) सभ्यता के अभद्र स्वरूप को बढ़ावा देकर

(ग) सामाजिक भेद-भाव को बढ़ाकर

(घ) मारक अस्त्रों के उपयोग से विनाश के कार्यों में लगकर

www.usefuldesk.com

(v) ‘योग्यता’ का समानार्थक ***नहीं*** है

(क) प्रतिष्ठा

(ख) क्षमता

(ग) समर्थता

(घ) अर्हता

अथवा

काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक-दूसरे के पूरक रहे हैं । अभी जल्दी ही कुछ इतिहास बन चुका है । अभी आगे कुछ इतिहास बन जाएगा । फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ काशी में है । काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है । काशी में मरण भी मंगल माना गया है । काशी आनंदकानन है । सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाई-चारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा ।

(i) ‘गंगा-जमुनी संस्कृति’ का लक्षण ***नहीं*** है

(क) गंगा और यमुना दोनों में स्नान

(ख) मुहर्रम और होली दोनों मनाना

(ग) हिन्दू-मुसलमान दोनों में मेल-जोल

(घ) बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ

(ii) काशी का इतिहास नहीं रचा गया है

(क) निरंतर संगीत-साधना से

(ख) मृत्यु को मंगलमय मानने से

(ग) काशी को आनन्दमयता की भूमि बनाने से

(घ) धर्म एवं जातिगत वैमनस्य से

www.usefuldesk.com

(iii) वर्तमान समय एवं परिस्थितियों के अनुकूल काशी का सबसे उल्लेखनीय योगदान है

(क) बाबा विश्वनाथ के प्रति गहन भक्ति-भावना

(ख) परस्पर पूरकता का भाव

(ग) सुर और लय के सम्राट बिस्मिल्ला खाँ

(घ) मोक्षदायिनी गंगा की पावन धारा

(iv) संगीत-साधना के क्षेत्र में बिस्मिल्ला खाँ की विशेषता थी

(क) मंदिर में शहनाई बजाना

(ख) शहनाई की जादू भरी आवाज

(ग) लय और सुर के संस्कार सिखाना

(घ) शहनाई-वादन के प्रति असीम अनुराग

(v) 'काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है' – वाक्य का भेद है

(क) सरल

(ख) साधारण

(ग) मिश्र

(घ) संयुक्त

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×5=10*

(क) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ख) मन्नू भंडारी की माँ को किन गुणों की दृष्टि से आदर्श माँ कहा जा सकता है ? लेखिका उन गुणों को अपना आदर्श क्यों न बना सकी ?

(ग) 'नौबतखाने में इबादत' के लेखक ने किन विशेषताओं के आधार पर यह कहा है कि बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे ?

(घ) 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों' में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए ।

(ङ) मन्नू भंडारी के लेख के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन में लेखिका की भूमिका को रेखांकित कीजिए ।

www.usefuldesk.com

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

नाथ संभुधनु भंजनिहारा । होइहि केउ एक नाथ तुम्हारा ।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही । सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरि करनी करि करिअ लराई ।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।

(क) 'नाथ' संबोधन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और क्यों ?

(ख) 'राम' ने अपने को 'दास' क्यों कहा है ?

(ग) परशुराम राम की करनी को क्या मानते हैं और क्यों ?

(घ) परशुराम किसे शत्रु मान रहे हैं और क्यों ?

(ङ) 'सहसबाहु' कौन था ?

अथवा

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दुख का अन्त नहीं ।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।

(क) कवि का साहस किस दुविधा से पीड़ित है ?

(ख) 'दिखता है पंथ नहीं' का आशय समझाइए ।

(ग) कवि को किस बात का दुख है ?

(घ) 'क्या हुआ ....' के रूप में कवि अपनी किस मानसिकता को व्यक्त कर रहा है ?

(ङ) 'छाया' शब्द का अर्थ समझाइए ।

www.usefuldesk.com

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×5=10*

(क) वस्त्र और आभूषण स्त्री-जीवन के बन्धन क्यों कहे गए हैं ?

(ख) सांसारिक जीवन में संगतकार जैसे व्यक्ति की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

(ग) 'जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी' से 'छाया मत छूना' कविता के कवि का अभिप्राय जीवन की किन मधुर स्मृतियों से है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(घ) संगतकार द्वारा अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश को कवि ने मनुष्यता क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) लक्ष्मण-परशुराम संवाद में तुलनात्मक दृष्टि से इन दोनों में से आपको किसका स्वभाव अच्छा लगता है ? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए ।

14. 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका ने देश की सीमा पर तैनात सैनिकों की कठिनाइयों की ओर संकेत किया है । इन सैनिकों के परिवारों के प्रति आप अपने दायित्व का निर्वाह किन-किन रूपों में करेंगे ? स्पष्ट कीजिए । *4*

15. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) जितेन नार्गे एक कुशल एवं सफल गाइड हैं – 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आलोक में दो उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) कैसे कहा जा सकता है कि दुलारी टुन्नू को हृदय से चाहती थी ?

(ग) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !' पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ' प्रश्न के उत्तर में 'अज्ञेय' के किसी एक तर्क का उल्लेख कीजिए ।

www.usefuldesk.com

खण्ड घ

16. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) जीवन की प्रबल अभिलाषा

- अभिलाषा का स्वरूप
- प्रबलता का कारण
- उसकी पूर्ति के उपाय

(ख) एक अच्छा दोस्त

- कौन
- अच्छा लगने के कारण
- उसके प्रति कर्तव्य

(ग) परीक्षा समाप्त होने पर

- क्या करना चाहेंगे ?
- क्यों करना चाहेंगे ?
- कैसे करना चाहेंगे ?

17. मोटर साइकिल सुविधा के लिए है – तेज चलाने, करतब दिखाने के लिए नहीं – यह समझाते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपेक्षित देख-रेख न होने के कारण निरन्तर सूखते पेड़ों की दयनीय स्थिति की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए अपने क्षेत्र के उद्यान अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

www.usefuldesk.com

www.usefuldesk.com